अवैध कारोबार | 102 गांवों तक फैला अवैध कारोबार, पुलिस की चुप्पी पर उठे सवाल

बरहटा में सट्टे के मकड़जाल ने पसारे पैर

नवभारत/नरसिंहपुर/ गोटेगांव। मुगवानी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बरहटा और रीछा सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में सट्टे का अवैध कारोबार एक बार फिर तेजी से पैर पसार रहा है। विगत दिनों पुलिस अधीक्षक द्वारा की गई सख्त कार्रवाई से ऐसा लगा था कि सट्टे के इस जाल पर अंकुश लग जाएगा, लेकिन कुछ ही दिनों के अंतराल के बाद यह धंधा दोबारा पूरी रफ्तार से शुरू हो गया है। विश्वासपात्र सूत्रों की मानें तो सट्टे का यह अवैध साम्राज्य अब 102 गांवों तक किसी घातक वायरस की तरह फैल चुका है, जिससे कई हंसते-खेलते परिवार बर्बादी की कगार पर पहुँच गए हैं।

एक के बदले 80 रूपये का लालच युवाओं को बना रहा अपराधी

क्षेत्र में यह चर्चा आम है कि रसूखदार सटोरियों के आगे स्थानीय पुलिस प्रशासन लाचार नजर आ रहा है। एक के बदले 80 रूपये पाने के लालच में फंसकर स्थानीय ग्रामीण और विशेषकर युवा वर्ग अपनी मेहनत की कमाई गंवा रहे हैं। जानकारों का कहना है कि सट्टे की यह लत युवाओं को अपराधी बनाने की ओर धकेल रही है, जिससे क्षेत्र का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सट्टा कारोबारियों की जानकारी होने के बावजूद प्रशासन ने चुप्पी साध रखी है, जिससे अपराधियों के हौसले बुलंद हैं।

रसूखदार सटोरियों के आगे प्रशासन बेबस, ग्रामीणों में गहरा असंतोष

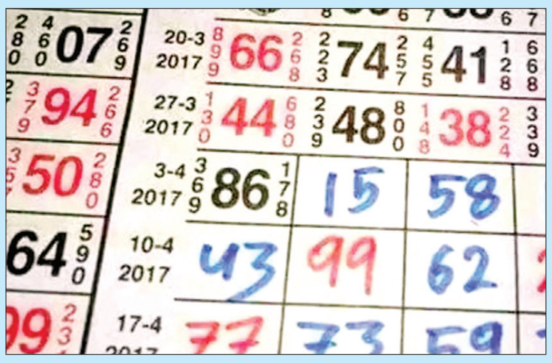

बरहटा में सक्रिय कुछ दबंगों द्वारा संचालित इस अवैध खेल ने अब विकराल रूप ले लिया है। ग्रामीणों में इस बात को लेकर गहरा असंतोष है कि पुलिस विभाग द्वारा केवल खानापूर्ति के लिए छोटी-मोटी कार्रवाई की जाती है, जबकि मुख्य सट्टा संचालक अब भी कानून की पकड़ से बाहर हैं। क्षेत्रीय नागरिकों ने जिला प्रशासन और पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि इस अवैध कारोबार पर तत्काल पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए और लिप्त अपराधियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए ताकि सामाजिक ताना-बना सुरक्षित रह सके।

पर्यावरण संरक्षण के साथ होगा होलिका दहन

नवभारत/ नरसिंहपुर। पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक समरसता के संदेश के साथ गौ-काष्ठ आधारित होलिका दहन को प्रोत्साहित करने के लिए कलेक्टर रजनी सिंह ने जिलेवासियों से अपील की है। उन्होंने बताया कि राज्य शासन ने होली पर्व को पर्यावरण हितैषी तरीके से मनाने का निर्णय लिया है। निर्देशानुसार होलिका दहन में लकड़ी के स्थान पर उपलों एवं गौ-काष्ठ का उपयोग किया जाएगा। साथ ही प्राकृतिक एवं हर्बल रंगों से होली खेलें, पानी की बचत करें तथा पशु-पक्षियों पर रंग न डालें। कलेक्टर ने बताया कि राज्य शासन ने आयोजित होने वाले सार्वजनिक होलिका दहन कार्यक्रमों का निःशुल्क पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। यह पंजीयन जिला मुख्यालय, तहसील, पंचायत एवं नगरीय निकायों के माध्यम से किया जाएगा। पंजीयन के समय आयोजक संस्था की आवश्यक जानकारी भी प्राप्त की जाएगी। संबंधित अधिकारी होलिका दहन कार्यक्रमों का स्थल पर निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करेंगे कि आयोजन पूर्णतः गौ-काष्ठ आधारित हो। आयोजन के दो-तीन दिवस के भीतर संबंधित अधिकारी प्रमाणित प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे। राज्य शासन के निर्देशानुसार आगामी दिनों में जिला स्तर पर सम्मान समारोह आयोजित किए।

नरसिंहपुर को रिकार्डों के संधारण व थाने के मेंटेनेंस पर ISO प्रमाण पत्र

नवभारत/ नरसिंहपुर। पुलिस महानिदेशक, जोन जबलपुर प्रमोद वर्मा एवं पुलिस उप महानिरीक्षक, रेंज छिंदवाड़ा, राकेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में एवं जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना के कुशल नेतृत्व में थाना कोतवाली की साफ-सफाई एवं अभिलेखों (रिकॉर्ड) के सुव्यवस्थित संधारण हेतु थाना कोतवाली की पुलिस टीम द्वारा मेहनत एवं लगन के साथ कार्य किया गया। थाने में साफ-सफाई कर अभिलेखों को तरतीबवार एवं व्यवस्थित रूप से संधारित किया गया। उक्त कार्य के पश्चात ISO टीम द्वारा थाना कोतवाली का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ISO टीम को थाना परिसर की स्वच्छता एवं अभिलेखों का सुव्यवस्थित संधारण संतोषजनक एवं मानक अनुरूप पाया गया। थाना कोतवाली, जिला नरसिंहपुर को ISO (9001) एवं ISO (14001) थाना घोषित करते हुए अति. पुलिस महानिदेशक, जोन जबलपुर प्रमोद वर्मा एवं पुलिस उप महानिरीक्षक, रेंज छिंदवाड़ा, राकेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में एवं जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना की उपस्थिति में प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

मुख्य बिंदु

- संतुष्टि पर जोर।
- नेतृत्व की जिम्मेदारी।
- प्रक्रिया आधारित कार्यप्रणाली।
- तथ्य आधारित निर्णय।
- निरंतर सुधार।

लाभः कार्य में दक्षता बड़ती है।

- विश्वसनीयता एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि।
- बेहतर सेवा गुणवत्ता।
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता।
- ISO 9001 किसी उत्पाद की गुणवत्ता का प्रमाण नहीं, बल्कि

मुख्य बिंदु

- प्रदूषण की रोकथाम।
- पर्यावरणीय प्रभावों की पहचान।
- कानूनी नियमों का पालन।
- संसाधनों का संतुलित उपयोग।
- निरंतर सुधार।

लाभः पर्यावरणीय जोखिम में कमी।

- ऊर्जा एवं संसाधनों की बचत।
- संस्था की सकारात्मक छवि।
- सतत विकास में योगदान ISO 14001 किसी उत्पाद की गुणवत्ता का प्रमाण नहीं, बल्कि संस्था की पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली का प्रमाण है।

थाना कोतवाली को प्राप्त प्रमाण-पत्र की श्रेणीः ISO 9001 एक अंतरराष्ट्रीय मानक है, द्वारा जारी किया जाता है। यह Quality Management System (QMS) से संबंधित है। इसका उद्देश्य किसी संस्था में कार्यप्रणाली को व्यवस्थित, पारदर्शी और गुणवत्ता-आधारित बनाना है। ISO14001 एक अंतरराष्ट्रीय मानक है, जिसे International Organization for Standardization (ISO) द्वारा जारी किया गया है। यह Environmental Management System (EMS) से संबंधित है। इसका उद्देश्य संस्थानों में पर्यावरण संरक्षण हेतु व्यवस्थित एवं जिम्मेदार कार्यप्रणाली स्थापित करना है।

सराहनीय योगदान

अति. पुलिस अधीक्षक, संदीप भूरिया एवं अनु अधिकारी पुलिस, नरसिंहपुर श्री मनोज गुप्ता के सतत निगरानी में थाना प्रभारी कोतवाली, निरीक्षक, गौरव चाटे एवं उनकी टीम की सराहनीय भूमिका रही है। यह उपलब्धि नरसिंहपुर पुलिस के लिए गौरव का विषय है तथा इससे आमजन को बेहतर एवं व्यवस्थित पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में चयन सीट बढ़ाने की मांग

नवभारत/ गोटेगांव/ करकबेल। विगत दिनों केंद्रीय नवोदय विद्यालय में प्रवेश परीक्षा हेतु 13/12/25 दिन शनिवार को कक्षा पांचवीं के लगभग पांच हजार परीक्षार्थियों ने इस केंद्रीय नवोदय विद्यालय में प्रवेश हेतु परीक्षा सम्पन्न हुई । इस परीक्षा में शामिल होने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों से जो खासकर गरीब तबके के अभिभावकों पालकों के बच्चों में बेटी बेटा परीक्षार्थी बनकर विगत दिवस उत्साह के साथ शामिल हुए थे। इस परीक्षा में बहुत से अभिभावकों के विचार यूं आये कि इस नवोदय विद्यालय में प्रवेश हेतु यह चयन परीक्षा को श्रेष्ठ से श्रेष्ठ अंकों के साथ परीक्षार्थियों को अपना श्रेष्ठतम उच्चतम अधिक से अधिक नंबरों के साथ मैरिट से भी

मैरिट सूची में अपना नाम लाना होगा इत्यादि इत्यादि नियम कानून इस नवोदय विद्यालय में प्रवेश हेतु होंगे । अभिभावकों का मानना है कि इस समय नरसिंहपुर जिले में नवोदय विद्यालय में प्रवेश हेतु 15 पंद्रह परीक्षा केंद्र बनाए गए थे जिसमें लगभग लगभग पांच हजार परीक्षार्थियों ने इस केंद्रीय नवोदय विद्यालय में प्रवेश हेतु परीक्षा दी । बहुत से अभिभावकों का कहना है कि इस समय मात्र 80 सीटें ही इस नवोदय विद्यालय में चयन हेतु जो कि बहुत कम है अतः इन सीटों को 150 या 200 के पार होना चाहिए । क्योंकि यह केंद्रीय नवोदय विद्यालय एक ऐसी संस्था है जिसमें संस्कृति, संस्कार, अनुशासन, कब सोना है,कब जागना है, कब नहाना है,कब खेलना है,कब पढ़ना है,कब अपने माता-पिता या अभिभावकों पालकों से मिलना है जैसी परस्थितियों को एक सहज कुशलता के एक ऐसी परम्परा का निर्वाहन का यह केंद्रीय नवोदय विद्यालय करता आ रहा है जिसमें पढ़कर विघार्थी एक ईमानदार व्यक्तव का धनी होता है जो समाज, समुदाय, राज्य और देश हित में अपनी विशेष भूमिका अदा भी करता है ।

गोटेगांव की संस्कृति जैन सीए बनीं

गोटेगांव। विगत दिनों इंस्टिट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया ICAI ने रविवार को चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया CA का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया है जनवरी की परीक्षा में कुल 7590 स्टूडेंट क्वालीफाई हुए थे जिसमें से एक संस्कृति जैन गोटेगांव निवासी ने इस परीक्षा में क्वालीफाई कर गोटेगांव के साथ-साथ अपने माता-पिता का नाम रोशन किया है संस्कृति की इस उपलब्धि पर उनके परिवारजन और शुभचिंतकों ने उन्हें उनकी इस कड़ी मेहनत और इस बड़ी उपलब्धि के लिए बधाई शुभकामनाएं देकर मुंह मीठा कराकर उन्हें फूल माला पहनाकर शुभकामनाएं प्रेषित की साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की कामना की, संस्कृति जैन राजू जैन डिस्क वालों की सुपुत्री हैं।

मोबाइल पर आने वाले बिजली बिल बन रहे परेशानी का कारण

नवभारत/ गाडरवारा। एक ओर बिजली विभाग उपभोक्ताओं से बिजली बिलों की वसूली को लेकर सख्ती बरत रहा है, वहीं दूसरी ओर विभागीय लापरवाही के चलते आम उपभोक्ताओं को समय पर बिजली बिल नहीं मिल पा रहे हैं। परिणामस्वरूप वे समय पर भुगतान नहीं कर पाते और बाद में उन पर लेट फीस या अतिरिक्त दंड थोप दिया जाता है। उपभोक्ताओं का कहना है कि पहले गाडरवारा सहित आसपास के गांवों में लाइनमैन द्वारा बिजली बिलों का वितरण किया जाता था, लेकिन कई बार बिल थोक में किसी एक व्यक्ति को थमा दिए जाते हैं और उसे सभी घरों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी दे दी जाती है। इससे कई उपभोक्ताओं तक समय पर बिल नहीं पहुंच पाता।

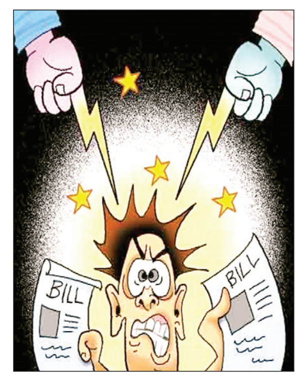

अब स्थिति यह है कि कागजी बिलों की जगह मोबाइल पर बिल भेजे जा रहे हैं। गांवों में अनेक ऐसे लोग हैं जिनके पास मोबाइल फोन नहीं है, और जिनके पास है भी, वे अंग्रेजी में आए संदेश या ई-बिल को पढ़ नहीं पाते। इस कारण वे समय पर भुगतान नहीं कर पाते। परिणामस्वरूप या तो उनका बिजली कनेक्शन काट दिया जाता है या फिर विलंब शुल्क के रूप में अतिरिक्त राशि वसूली जाती है। ग्रामीणों का सवाल है कि जब विभाग की लापरवाही के कारण बिल समय पर नहीं पहुंच रहे, तो उपभोक्ता को दोषी ठहराकर दंडित करना कितना उचित है? ऐसी ही स्थिति दूरसंचार विभाग में भी देखी जा रही है, जहां बिल वितरण की व्यवस्था स्पष्ट नहीं होने से उपभोक्ता परेशान हो रहे हैं। अब प्रश्न यह उठता है कि क्या विभागीय लापरवाही के कारण उपभोक्ताओं के साथ अन्याय नहीं हो रहा है? क्या ग्रामीण क्षेत्रों में फिर से नियमित कागजी बिल वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित नहीं की जानी चाहिए।

एक नजर में

गाडरवारा में सनातन धर्म प्रेमियों ने सौंपा ज्ञापन

गाडरवारा। सनातन धर्म प्रेमियों ने सनातन धर्म के प्रमुख गुरु स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ लगाए गए कथित निराधार आरोपों के विरोध में शक्तिधाम मंदिर परिसर में एकत्रित होकर जुलूस निकाला। जुलूस अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय पहुंचा, जहां महामहिम राष्ट्रपति, भारत सरकार, नई दिल्ली के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन कलावती ब्यारे (एसडीएम) को दिया गया। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि आदिशंकराचार्य की परंपरा को आगे बढ़ाने वाले स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के विरुद्ध षड्यंत्रपूर्वक उनकी एवं सनातन धर्म की छवि धूमिल करने के उद्देश्य से आरोप लगाए गए हैं। उपस्थित सनातन धर्म प्रेमियों ने इसे धर्म और परंपरा के खिलाफ सुनियोजित साजिश बताते हुए कड़ी आपत्ति जताई। ज्ञापन के माध्यम से राष्ट्रपति से मांग की गई कि सनातन धर्म के विरुद्ध रचे जा रहे कथित षड्यंत्र और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए जाएं। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए विरोध दर्ज कराया। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल सहित महेश अधरुज, रविशेखर जायसवाल, कुशलेन्द्र श्रीवास्तव, डॉ. उमाशंकर दुबे, सतीश सैनी, राजीव दुबे, मुकेश बसेड़िया, बसंत तपा, दिग्विजय सिंह, सर्वेश्वर पांडे, अभिषेक पटैल, अजय राठौर, अन्नू शर्मा, शैलेश तिवारी, अवधेश रुसिया, संगीता जायसवाल, संजय कौरव, मनीष कौरव, राहुल राय, गुड्डा मालपानी, अवधेश पांडे सहित अनेक सनातन धर्म प्रेमी उपस्थित रहे।

सुविधाओं को तरसता विक्रमपुर रेलवे स्टेशन, सौंदर्यीकरण और साफ-सफाई के अभाव में यात्री परेशान

गोटेगांव। जबलपुर रेल मार्ग पर स्थित विक्रमपुर रेलवे स्टेशन वर्तमान में बदहाली के आंसू रो रहा है। जहाँ एक ओर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बड़े स्टेशनों को आधुनिक बनाया जा रहा है, वहीं विक्रमपुर जैसे छोटे स्टेशन उपेक्षा का शिकार हैं। यहाँ यात्री सुविधाओं का नितांत अभाव है और पूरे स्टेशन परिसर में गंदगी का साम्राज्य फैला हुआ है। स्टेशन के दोनों प्लेटफार्मों पर भारी मात्रा में गाजर घास और अन्य खरपतवार उग आई है, जिससे यात्रियों को बैठने और चलने-फिरने में भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि सफाई व्यवस्था का निजीकरण होने के कारण यहाँ सफाई कर्मचारी तैनात नहीं रहते, जिससे प्लेटफार्म का काफी हिस्सा घास-फूस से ढक गया है। स्टेशन की स्थिति इतनी दयनीय है कि गर्मी के मौसम की दस्तक के साथ ही यात्रियों को पेयजल के लिए भी भटकना पड़ता है। अधिकारियों द्वारा इस स्टेशन को व्यावसायिक दृष्टि से कम आमदनी वाला मानकर नजरअंदाज किया जा रहा है। विक्रमपुर स्टेशन पर केवल यात्री गाड़ियों का ठहराव होता है और अक्सर सुपरफास्ट ट्रेनों को रास्ता देने के लिए यात्री ट्रेनों को यहाँ लंबे समय तक खड़ा रखा जाता है। ऐसी स्थिति में यात्रियों के लिए न तो बैठने की उचित व्यवस्था है और न ही बुनियादी सुविधाएं। स्थानीय निवासियों ने रेल विभाग के उच्च अधिकारियों से मांग की है।

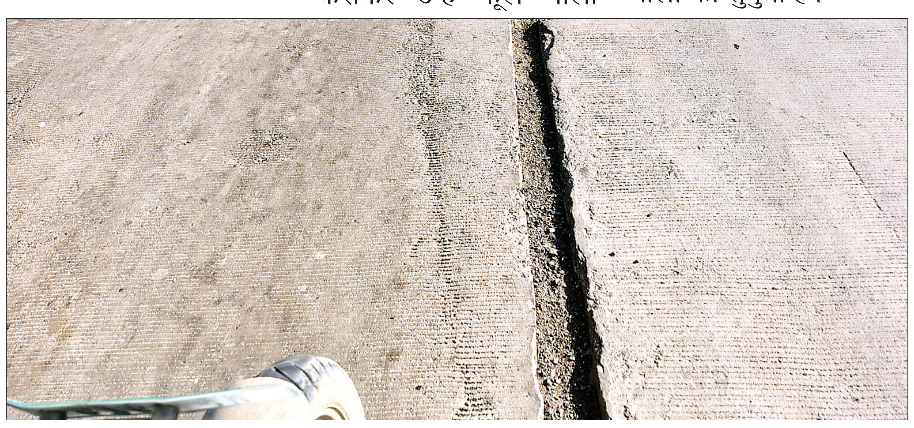

कांक्रीट सड़क में आई दरारें बनीं मुसीबत

हादसों का शिकार हो रहे वाहन चालक

गोटेगांव। गोटेगांव से परमहंसी जाने वाला मुख्य मार्ग इन दिनों राहगीरों और वाहन चालकों के लिए खतरनाक साबित हो रहा है। कुछ समय पूर्व निर्मित इस कंक्रीट सड़क पर जगह-जगह गहरी और चौड़ी दरारें उभर आई हैं, जो विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए जानलेवा बन गई हैं। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, दरारें इतनी अधिक और खतरनाक हैं कि बाइक और स्कूटी के पहिए उनमें फंस जाते हैं, जिससे चालक असंतुलित होकर गिर रहे हैं। अब तक इस मार्ग पर कई छोटे-मोटे हादसे हो चुके हैं, जिससे राहगीरों में भय का माहौल है। यह मार्ग परमहंसी और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को शहर से जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है, जहां से प्रतिदिन सैकड़ों छात्र, कर्मचारी और ग्रामीणों की भारी आवाजाही रहती है। व्यस्त मार्ग होने के बावजूद संबंधित विभाग द्वारा अब तक मरम्मत की कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। सड़क की बदहाली को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता की अनदेखी की गई है, जिसके कारण कम समय में ही कंक्रीट की सड़क फटने लगी है।

कैबिनेट मंत्री पटेल के प्रयासों से मां नर्मदा के पथिकों को बड़ी सौगात

नरसिंहपुर। जिले में मां नर्मदा के परिक्रमा पथ पर चलने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक महत्वपूर्ण सौगात मिली है मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री एवं मां नर्मदा के अनन्य भक्त प्रह्लाद सिंह पटेल के विशेष प्रयासों से हीरापुर क्षेत्र के जुगपुरा में हिरन नदी पर लगभग 16 करोड़ रुपये की लागत से पुल निर्माण को स्वीकृति मिली है यह पुल विशेष रूप से मां नर्मदा की परिक्रमा करने वाले पथिकों और स्थानीय ग्रामीणों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बनाया जाएगा हिरन नदी से परिक्रमा वासियों एवं ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है पुल निर्माण से इस समस्या का स्थायी समाधान हो सकेगा कैबिनेट मंत्री श्री पटेल लंबे समय से इस मांग को लेकर प्रयासरत थे। उन्होंने क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देते हुए इस महत्वपूर्ण परियोजना को मूर्त रूप दिलाया है। उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी

वैभव नेमा ने बताया कि उनके प्रयासों से न केवल परिक्रमा मार्ग सुगम होगा, बल्कि आसपास के गांवों के लोगों को भी आवागमन, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं व्यापार में सुविधा मिलेगी स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने इस घोषणा पर हर्ष व्यक्त करते हुए मंत्री श्री पटेल के प्रति आभार प्रकट किया है। उनका कहना है कि यह पुल क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा और धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा देगा जिससे आने वाले समय में मां नर्मदा के पथिकों को सुरक्षित और सुगम मार्ग उपलब्ध हो सकेगा।

पहाड़ी दुर्गम व दूरस्थ वनांचल ग्रामों में मनाई गई होली

रंग पिचकारी पाकर वनांचल के बच्चों के चेहरे खिले

गाडरवारा। नगर के वरिष्ठ समाजसेवी मुकेश बसेड़िया ने प्रतिवर्ष अनुसार रंगोत्सव का पर्व होली, दुर्गम दुरस्थ पहाड़ो पर बने वनांचल ग्रामो कुक्लोर , गङ्गडोर, छीरई, पिपरिया ,टोला, बेरबन , पीपला ,हरसुआ,आदि में जाकर आदिवासी बच्चो व भाईयो के साथ मनाया बच्चों को रंग के पैकिट ,पिचकारी, मुखोटे , गुब्बारे , होली की टोपियां, प्रदान कर बच्चो के साथ रंग गुलाल डालकर होली भी खेली व वृद्ध आदिवासी भाईयों व माताओं को वस्त्र, रुमाल, साड़ियां प्रदान कर गुलाल प्रदान कर होली की शुभकामनाएं प्रदान की तथा ग्राम वासियों के साथ सामूहिक देशी गायन फाग का आनन्द लिया एवं नशा से दूर रहकर होली मनाने की अपील की साथ ही। माताओं ,बहनों को साड़ियां, श्रृंगार सामग्री , गुलाल आदि भेंट किया बसेड़िया ने बताया कि रंग,पिचकारी ,व गुब्बारे आदि पाकर बच्चो की हंसी की किलकारियां गूंज उठी साथ ही।

स्कूल बैग वितरित

बच्चो की शिक्षा के प्रोत्साहन हेतु आकर्षक स्कूल बैग ,पठन लेखन सामग्री,आदि के साथ वस्त्र , भी प्रदान किये उपरोक्त रंगोत्सव का मुख्य उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के प्रति ललक पैदाकर शिक्षित बनाना तथा आदिवासी भाईयों को अपने सनातन संस्कृति, व परंपराओ तथा त्यौहारों से जोड़े रखना है उपरोक्त सेवा में कार्य मे तनुश्री बसेड़िया, गौ सेवक ओम प्रकाश कीर का सराहनीय योगदान रहा उल्लेखनीय है कि मुकेश बसेड़िया अनेक बर्षो से प्रायः अपने सभी तीज त्यौहार दुर्गम पहाड़ियों पर वसे वनांचल ग्रामो में जाकर आदिवासी भाईयों के साथ ही मनाते है और बच्चों को सतत शिक्षण सामग्री प्रदान कर स्कूल जाने के लिए प्रेरित करते है, निराश्रित असहाय बेसहारा वृद्धजनो स्वयं के ड़र्च पर की पुत्रवत सेवा करते आ रहे है

राष्ट्रपति को पत्र-स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थन में उतरीं ब्रांड एंबेसडर मेहनाज खान

गोटेगांव/नरसिंहपुर। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की ब्रांड एंबेसडर सुश्री मेहनाज खान ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी महाराज के समर्थन में भारत की महामहिम राष्ट्रपति को एक पत्र लिखकर न्याय की गुहार लगाई है। मेहनाज खान ने स्वामी जी के विरुद्ध हाल ही में लगाए गए आरोपों को निराधार बताते हुए इस मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की है। महामहिम राष्ट्रपति को प्रेषित पत्र में मेहनाज खान ने उल्लेख किया कि ब्रह्मचारी आशुतोष महाराज द्वारा स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी पर लगाए गए आरोप पूरी तरह से झूठे और एक गहरी साजिश का हिस्सा प्रतीत होते हैं। उन्होंने स्वामी जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने सदैव समाज सेवा और धर्म के मार्ग पर चलते हुए लोक कल्याण के कार्य किए हैं, जो पूरे समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। सुश्री मेहनाज खान ने राष्ट्रपति महोदया से इस संवेदनशील मामले को गंभीरता से लेने का अनुरोध किया है। उन्होंने पत्र के माध्यम से मांग की है कि ऐसे प्रतिष्ठित धर्मगुरु के खिलाफ रची गई साजिश का पर्दाफाश किया जाए और उन्हें उचित न्याय प्रदान किया जाए। इस पत्र के सार्वजनिक होने के बाद जिले में धर्म और समाज सेवा से जुड़े लोगों के बीच यह चर्चा का विषय बना हुआ है।